2022-23 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 40 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

मसूर, तिलहनों के समर्थन मूल्य में 400 रुपये प्रति क्विंटल कि वृद्धी

भारत सरकार ने 2022-23 रबी विपणन वर्ष (अप्रैल-मार्च) के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 40 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ौतरी की घोषणा की है। सरकार की आर्थिक मामलों की मंत्रीमंडलीय समिति (सी सी ई ए) ने गेहूं और पांच अन्य रबी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा बुधवार (8 सितंबर, 2021) को की।

आगामी विपणन वर्ष के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,015 रुपये प्रति क्विंटल है जो कि 2021-22 में 1,975 रुपये प्रति क्विंटल था। पिछले वर्ष से गेहूं का समर्थन मूल्य 2 प्रतिशत बढ़ाया गया है। जौ का समर्थन मूल्य 35 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है।

दालों और तिलहनों का समर्थन मूल्य सबसे अधिक बढ़ाने कि सिफ़ारिश की गई है। मसूर, सरसों और तारामीरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल और चना का मूल्य 130 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है। पिछले साल के मुकाबले, कुसुम के मूल्य में 114 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धी की गई है।

2022-23 सीज़न में सरकारी खरीद के लिए रबी फ़सलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य

फ़सल	2022-23 के लिए एम एस पी (रुपए/ क्विंटल	2021-22 के लिए एम एस पी (रुपए/ क्विंटल)	बढ़ौतरी (रुपए/क्विंटल)	बढ़ौतरी प्रतिशत में
गेहूं	2,015	1,975	40	2%
जौ	1,635	1,600	35	2%
चना	5,230	5,100	130	3%
मसूर	5,500	5,100	400	8%
सरसों	5,050	4,650	400	9%
कुसुम	5,411	5,327	114	2%